IndiaFirst
LIFE INSURANCE

Publication: Rastriya Swaroop **Date: Tuesday, 24th March, 2015**

Edition: Lucknow

आर. एम. विशाखा इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस की एमडी एवं सीईओ बनीं

मुंबई (एजेंसी)। बीएफएसआइ क्षेत्र की वरिष्ठ पेशेवर महिला सुश्री आर.एम. विशाखा कल से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस की नयी प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार ग्रहण करेंगी। सुश्री विशाखा का वित्तीय सेवा उद्योग में 25 से अधिक वर्षों का बहुत सफल रिकार्ड रहा है। इससे पहले वे एक प्रमुख बैंकाश्योरेंस प्रवर्तित जीवन बीमा कंपनी में डायरेक्टर सेल्स एवं मार्केटिंग के पद पर कार्यरत थीं। इससे पूर्व, सुश्री विशाखा इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में चीफ बिजनेस आफिसर भी रह चुकी हैं। सुश्री विशाखा के पूर्व असाइनमेंट में सार्वजनिक के साथ-साथ निजी कंपनियों में समृद्ध अनुभव शामिल है। उन्होंने स्टार्ट-अप का हिस्सा होने के नाते शुरूआती अनुकूलनकर्ताओं में से एक के लिए बैंकाश्योरेंस चैनल की स्थापना की। सुश्री विशाखा ने अपने नये असाइनमेंट के विषय में कहा, मुझे इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस में वापसी करके खुशी हो रही है। वास्तव में मेरा विश्वास है कि कंपनी के पास अखिल-भारतीय स्तर पर ग्राहकों तक पहुंचने की भारी क्षमता है। ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए हमारे पास 6000 से अधिक पार्टनर बैंक-शाखाओं का वितरण आधार और सुदृढ़ मल्टी-चैनल रणनीति है। साधारण एवं समझने में आसान उत्पाद जो विशिष्ट रूप से ग्राहकों की जिंदगी के विभिन्न चरणों और आय समूह की अनेक जरूरतों की पूर्ति के लिए बनाये गये हैं, की बदौलत, हम अपने हर कार्य में हमारे ग्राहकों को सर्वोपरि रखने पर फोकस करेंगे। इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस आज देश में तेजी से विकसित हो रही कंपनियों में से एक है। कंपनी द्वारा 2.7 मिलियन से अधिक लोगों का बीमा किया गया है और 30 सितंबर 2014 तक कंपनी की प्रबंधनाधीन संपत्ति 7.500 करोड़ रूपये से ज्यादा थी। कंपनी ने हाल ही में हैप्पी इंडिया की घोषणा की थी। यह एक सामाजिक पहल है जिसका उद्देश्य 11 से 16 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले बच्चों में बदलाव लाना और रचनात्मक बदलाव की दिशा में काम करने के नजरिये को विकसित करना है। इस पहल के अंतर्गत यंग चेंज मेकर्स की तलाश करने का लक्ष्य तय किया गया और कंपनी द्वारा आइडियाज फार चेंज' क्रियान्वित करने में उन्हें सहायता प्रदान की गई। इस पहल में देश भर के 300 से अधिक स्कूलों के 15,000 से अधिक बच्चों (11 से 16 वर्ष के बीच) की भागीदारी देखने को मिली। इंडियाफर्स्ट ने 25 सर्वश्रेष्ठ आइडियाज फार चेंज का चयन किया और प्रत्येक आइडिया को 50,000 रूपये का अनुदान प्रदान किया गया। इंडियाफर्स्ट देश की नयी जीवन बीमा कंपनियों में से एक है। इसकी चुकता पूंजी 475 करोड़ रूपये है और इसका मुख्यालय मुंबई में है। यह भारत के दो सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों -बैंक ऑफबड़ौदा और आंध्र बैंक तथा ब्रिटेन की अग्रणी जोखिम, निधि एवं निवेश कंपनी लीगल एंड जनरल द्वारा प्रवर्तित कंपनी है। बैंक ऑफ बड़ौदा की कंपनी में 44 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जबकि आंध्र बैंक और लीगल एंड जनरल की इंडियाफर्स्ट में क्रमश: 30 प्रतिशत और 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इंडियाफर्स्ट का विश्वास है कि यह सरल, आसानी से समझने योग्य उत्पादों के माध्यम से स्वयं को अलग खड़ा कर सकती है। इन उत्पादों की कीमतें निष्पक्ष हैं और यह दक्षता से सेवायें प्रदान करने में सक्षम हैं। वर्तमान समय में इंडियाफर्स्ट देश के 1000 से अधिक शहरों एव कस्बों में 6000 पार्टनर बैंक शाखाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। कंपनी नें 2.7 मिलियन जिंदगियों को कवर किया है और 30 सितंबर 2014 तक इसकी एयूएम 7.500 करोड़ रूपये थी। देश की सबसे तेजी से आगे बढ़ती जीवन बीमा कंपनियों में से एक। निजी जीवन बीमा कंपनियों की सूची में 23वें से 8वें स्थान पर पहुंची। उद्योग के ट्रेंड की ओर झुकाव-वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान नये बिजनेस प्रीमियम के लिहाज से 28 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी। 7,500 करोड़ रूपये से अधिक की एयूएम- सर्वोत्कृष्ट रिस्क एडजस्टेड रिटर्न सुनिश्चित करती है। बेंचमार्क सूचकांकों को निरंतर पीछे छोड़ा। 2.7 मिलियन से अधिक जिंदगी कवर्ड, 1000 शहरों और कस्बों में 6000 टच प्वाइंट का व्यापक नेटवर्क, 5 वर्ष की अवधि में 31 पुरस्कार जीते।